ORTHOREX Syrup
ऑर्थोरेक्स सिरप

औशधीय प्रमाणिक विवरण :–

यह योग ***मांसपेशियों*** व ***अस्थिरा*** वातरोगों का शमन करने हेतु अद्भुत प्रभावकारी है।

प्रभावकारी वनौशधियों का परीचय :–

सल्लाकी, गुग्गुल, सोभान्जन, *अश्वगंधा*, पुर्ननवा, चोपचीनी, रास्ना, रेवन्तचीनी, निर्गुण्डी, देवदार, जटामांसी, अन्नतमूल, नागरमोथा, *शिलाजीत*, जिंकोबिलोबा, नोनी, एरण्ड मूल, लहसुन, गोरखमुण्डी, गंद्यप्रसारणी, गिलोय इन सभी वनौषधियों को समकक्ष प्रभावकारी दुर्लभ वनौषधियों के क्वाथ/स्वरस द्वारा भावित कराकर फोर्टीफाईड कर आयुर्वेदिक विधि विधान से निर्माण किया गया है।

औशधीय गुणधर्म :–

यह योग घुटनों की सूजन, जोड़ों का दर्द, जोड़ों में सायनोविया फल्यूट (ग्रीस) खत्म होना, कमर दर्द, ग्रद्यसी (रींगनवात), हृदयगत धमनियों की सूजन से बाजूओं में होने वाला दर्द, जीर्ण सिर दर्द, बदन दर्द, मांसपेशियों की जकड़न आदि वातरोगों का शमन करने हेतु एक अद्भुत गुणकारी औषधी है **इस औशधी के कार्यकारी प्रभाव से रोगी मात्र 3 दिन में आराम महसूस करने लग जाता है।**

औशधी सेवनकाल :–

जीर्ण रोगों में **ऑर्थोरेक्स** का सेवन 3 माह तक **नोनी अमृत** व **बायोमेगा–3** के साथ करें।

मात्रा :–

व्यसक व्यक्ति 2–2 चम्मच (10-10ml) औषध प्रातः–सांय भोजनोपरान्त चौगुणे स्वच्छ जल में मिलाकर सेवन करें।

दुश्प्रभाव :– कोई नही है।

निर्देश :- योग्य चिकित्सक की देखरेख में ही सेवन करें।